ये अव्यक्त इशारे

महान बनने के लिए मधुरता और नम्रता का गुण धारण करो

12-04-2026

अगर आप से कोई टक्कर लेता है तो आप उसे अपने स्नेह का पानी दो, आप अपने मधुरता और नम्रता के गुण को नहीं छोड़ो। नम्रता की ड्रेस पहनकर रहो। यह नम्रता ही कवच है, जो सेफ्टी का साधन है। संस्कारों की रास मिलाने का सबसे सहज तरीका है – स्वयं नम्रचित और मधुरता सम्पन्न बन जाओ, दूसरे को श्रेष्ठ सीट दे दो।

Imbibe the virtues of sweetness and humility to become great.

If someone is in conflict with you, give that person the water of your love. Don't let go of your virtues of sweetness and humility. Constantly wear your dress of humility. This humility is your shield, which is a means for your safety. The easiest way to harmonise sanskars is to make yourself full of humility and sweetness. Give others the elevated seat.

ॐ